भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या †**413**

उत्तर देने की तारीख 24.06.2019

विलुप्त प्राय जनजातीय भाषाएं

†413. **डॉ. उमेश जी. जाधव** रू

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारत की विलुप्त प्राय जनजातीय भाषाओं की पहचान की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार उक्त जनजातीय भाषाओं के प्रयोग को बढ़ावा देने पर विचार कर रही है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य मंत्री

(श्री अर्जुन मुंडा)

(क) तथा (घ) : जनजातीय कार्य मंत्रालय पूरे देश में लुप्तप्राय जनजातीय भाषओं को संरक्षित करने तथा बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) के परामर्श से इन भाषाओं को चिह्नित तथा सूचीबद्ध करने की परिकल्पना करता है। वर्तमान में जनजातीय कार्य मंत्रालय अनुसूचित जनजातियों के बीच शिक्षा के अधिगम स्तर को बढ़ाने के लिए 'जनजातीय अनुसंधान संस्थान को सहायता ' स्कीम के तहत द्विभाषी प्राथमिक पुस्तकें तैयार करने के लिए राज्य सरकारों को सहायता प्रदान करता है। अभी तक विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा 82 भाषा प्राथमिक पुस्तकें तैयार की गई है :

राज्य	**प्राथमिक पुस्तकों के ब्यौरे**	**भाषा / शामिल किए जनजाति**
त्रिपुरा	14 प्राथमिक पुस्तकें	कोकबोरक, हलाम, मोग, गारो, कूकी, मिजो
ओडिशा	5 प्राथमिक पुस्तकें	जुआंग, किसान, कोया, ओरम, सौरा
महाराष्ट्र	11 प्राथमिक पुस्तकें	गोंडी, हल्बी, कोकनी, कोलामी, कोरकू, मड़िया, मावची, पारधी, पावरी, ठाकरी
मध्य प्रदेश	15 प्राथमिक पुस्तकें	हलबी, कुधुख, भीली, गोंडी, कोरकू,
केरल	6 प्राथमिक पुस्तकें	कट्टुनिकन, पनियन

छत्तीसगढ़	5 प्राथमिक पुस्तकें	कुकुडु, प्रजा, हल्बी, भारिया
झारखंड	5 प्राथमिक पुस्तकें	कुकडू, खड़िया, खोरट
तेलंगाना	5 प्राथमिक पुस्तकें	गोंडी, कोया, कोलामी, कोंध, बंजारा
पश्चिम बंगाल	16 प्राथमिक पुस्तकें	ओलचिकी, कुडुक

*****